

एसजेवीएन लिमिटेड

मिनी-रत्न शिड्यूल 'A' पीएसयू निगमित पर्यावरण विभाग ISO 9001:2015 Certified कार्यालय:

कार्यकारी निर्देशक, निगमित पर्यावरण विभाग, शक्ति सदन, शनान, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश -171006

टेलीफोन न.: 0177-2660180

ईमेल: sjvn.ecfc@gmail.com sjvn.ced@sjvn.nic.in

दिनांक: 24/05/2022

संख्या: SJVN/CHQ/ENV/F38/33

То

Member Secretary, River Valley and Hydroelectric Projects, MoEF&CC, Govt. of India, Indira Paryavaran Bhawan, Jor Bagh, New Delhi - 110003

E-mail: yogendra78@nic.in

Sub:

Six Monthly Monitoring Report on Compliance to Environmental Aspects (For period October, 2021 - March, 2022) i.r.o Sunni Dam HEP (382 MW), Himachal

Pradesh.

Ref:

EC Identification No.: EC22A003HP169821; Letter No.: J-12011/14/2017-IA-I (R)

dated 04 February 2022; Proposal No.: IA/HP/RIV/63789/2017

Sir,

Kind reference is invited to above referred endorsement vide which Sunni Dam HEP (382 MW) of SJVN in Shimla and Mandi Districts (Himachal Pradesh) was granted Environment Clearance by MoEF&CC. As per EIA notification 2006 and Environment Clearance condition no. X (iv), submission of six-monthly status of the stipulated environment condition is a mandatory requirement. Further, it is also desired vide notification dated 26.11.2018 to submit half yearly compliance reports in soft copies only.

In this regard, this is to inform that Ministry has not yet granted Stage-II Forest Clearance to the project, therefore, the construction work has not yet started at project. Further, it is submitted that status of all conditions mentioned in the Environment Clearance letter will be submitted to Ministry with commencement of construction work at project site. However, it is pertinent to mention that condition no. X. (i) regarding advertising of Environment Clearance in two local newspapers has been complied (**Annexure-I**).

Submitted for your kind information, please.

संलग्नक: यथोपरि।

सधन्यवाद,

भवदीय, एसजेवीएन लिमिटेड के लिए,

2) +25121010

(कार्यकारी निर्देशक)

प्रतिलिपि (केवल ईमेल के माध्यम से):

1. उप महानिदेशक वन (सी), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यालय (NCZ), 25, सुभाष रोड, देहरादून – 248001, ई-मेल: moef.ddn@gov.in

(मारत सरकार एवं किमाचल प्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम) (A Joint Venture of Govt. of India & Govt. of H.P.) CIN No. L40101HP1988GOt008409

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed that Sunni Dam Hydroelectric Project (382 MW), which is proposed to be constructed on Satiuj River in Shimla and Mandi Districts of Himachal Pradesh, has received Environment Clearance from Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India, with following conditions:

Environment Management Plan (EMP) shall be strictly adhered to and budgetary provisions of Rs. 30,546.00 lakhs for implementation of EMP, shall be fully utilized and not diverted to any other purpose. In case of revision of the project cost or due to price level change, the cost of EMP shall also be updated proportionately.

Recommendations of the Cumulative Impact Assessment and Carrying Capacity Study of Satluj River Basin Study shall be

followed while implementing the project.

Necessary permissions shall be obtained for quarrying construction materials, if any required, for the project as per the EIA Notification, 2006 and as amended thereof

Solid waste generated, especially plastic waste, etc. should not be disposed of as landfill material. It should be treated with scientific approach and recycled. Use of single-use plastics may be discouraged.

Conservation plan prepared for Schedule I species shall be implemented with approval of the concerned CWLW.

Land acquired for the project shall be suitably compensated in accordance with the law of the land with the prevailing guidelines. Private land shall be acquired as per provisions of Right to Fair Compensation and Transparency in *Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement Act, 2013

Validity of the Environment Clearance for commissioning of

the project is 10 years.

After 5 years of the commissioning of the project, a study shall be undertaken by an independent agency regarding impact of the project on the environment

Permissions from other organisations/departments/etc., shall be taken wherever applicable on the project.

10. The Environment Clearance letter can be viewed on our website www.sjvn.nic.in



एसजेवीएन लिमिटेड SJVN Limited

(चारत सरकार एवं विगायस प्रवेश सरकार का संगुत्रत उपक्रम (A Joint Venture of Govt. of India & Govt. of H.P.) CIN No. L40101HP1988GOI908409

शार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एसर्जवीएन लिमिटेड हारा हिमाचल प्रदेश के शिमला एवं मंदी जिलों में सतलुज नदी पर खैरा गाँव के पास सुन्नी बौध जल विद्युत परियोजना (382 गेगाबाट) का निर्माण प्रस्तावित है, जिसको पर्योवरण, वन एवं प्राजवायु परिवर्तन मंत्रालय, शारत सरकार द्वारा मानक शतों के अतिरिक्त निम्नलिखित शतों के साथ पर्यावरण स्वीकृति प्रदान कर दी है:

1. पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी) का सख्ती से पालन किया जाएगा और ईएनपी के छावान्त्रयन के लिए बजटीय प्रावधानों हेतू रुपये 30,548.00 लाख की परि। का पूरी तरह से छपयोग किया जाएगा और किसी अन्य जदेश्यों के लिए छपयोग नहीं किया जाएगा। परियोजना लागत में संशोधन या मूल्य स्तर परिवर्तन के

कारण ईएमपी की लागत में अनुपातित कम से सुधार किया जाएगा। सत्ततुला नदी बेसिन के क्यूम्युलेटिव इम्पैक्ट असेसमेंट और वहन समता कें अध्ययन पर या टीओजार (ToR) शतों के अनुसार या लगातार चार सबसे लीन महीमों के जीसत प्रवाह का स्थूनतम 15 प्रतिशत जो भी मान उच्चतर हो, पर्यायरणीय प्रवाह के रूप में रिलीज किया जाएगा।

ईआईए अधिसूचना, 2006 और उसके बाद के संबोधनों के अनुसार परियोजना के लिए निर्माण सामग्री के उत्खनन के लिए आवश्यक अनुमति / स्वीकृति ली जाएंगी।

वोस अपशिष्ट रात्पान, विशेष रूप से प्लास्टिक अपशिष्ट, आवि को लैंडफिल सामग्री के रूप में निपदान नहीं किया जाएगा। इसका उपधार वैशानिक पद्धति एवं पुनः चक्रित के साथ किया जाएगा। एकल सपयोग प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित किया जाएगा।

सभी अनुसूची—। की प्रजातियों के लिए बन्बजीद संस्थण योजना सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के साथ लागू की जाएगी।

परियोजना के लिए ज़नीन के अधिग्रहण हेतू मुआवजा मौजूदा दिशानिर्देशों के साथ भूमि के कानून के अनुसार उचित रूप से किया जाएगा। भूमिकार्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यास्थापन में सचित प्रतिकर और पारहर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार निजी भूमि का अधिसारण किया जाएगा।

परियोजना की कमीशनिंग के लिए इस मर्यावरण स्वीकृति की वैधता यत्र जारी

करने की तिथि से 10 साल की होगी। परियोजना के शुक्त होने के 5 साल बाद, पर्यावरण और ढाउनस्ट्रीम परिस्थितिकी पर परियोजना के प्रभावों का अध्ययन मंत्रालय के साथ परामर्श से तय की गई स्वतंत्र एजेंसी वृवारा किया जाएगा।

किशी अन्य संगठन / विभाग से कोई अन्य मंजूरी / अनुमति / अनुमोदन, जी की परियोजना पर लागू होता है, लिया जाएगा।

10. पर्यावरण स्वीकृति की प्रति को एसजेवीएन की वेबसाइट www.sjvn.nlo.in पर भी देखा जा सकता है।



एसजेवीएन लिमिटेड SJVN Limited

(भारत संस्कृत एवं हिमाचल प्रदेश हरकर का संयुक्त उपकप) (A Joint Venture of Govt. of India & Govt. of H.P.) CW No. LA0101HP1988G01008409

सार्गजनिक सूचना सर्वसामारण को सूक्ति किया जाता है कि एसजीएन लिपिटेड हार्ग हिनाचल प्रदेश हे जिसला एवं मंबी तिहलों में सतत्त्व जुड़ी पर लीश गाँव के फरा सुन्ती बीच जल विश्वत परियोजना (अट मेमाबाट) का निर्माण प्रस्तायित है, जिसको प्रयोग्धरण, यन एवं जनमायु परिवर्तन्त्र मंत्रासक भारत सरकार द्वारा मानक शर्ती के अतिरित्त निम्निविधित शारी के साथ पर्यावरण स्वीवृति प्रदान कर दी ह

पर्यावरण प्रस्थन योजना (ईएमपी) का संस्ती से पालने किया जाएगा और ईएनपी के कार्यानायन के लिए बजहीय प्राक्तानों हेतू रूपये 30,546.00 लाख की राजि का पूरी तरह से उपयोग किया जाएगा और किसी अन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग नहीं कियां रहाएमा। परियोजना लागरा ने संशोधन या मूल्य स्तर परियतन के कारण इंग्रमण की सामत में बनुपाधित रूप से चुंबार किया जाएगा।

रातलुज नदी वेसिन के बद्धार्सिटव हम्पेक्ट असेसमेंट और यहन क्षमता के सकारन पर या दीओआर (Fort) कर्ती के अनुसार या लगातार चार सकरो और नहीं में के औसता प्रवाह का चुनतम 15 प्रतिकृत जो भी मान उत्सार हो.

पर्शाप्तर्थाय प्रवाह के वर्ष में विलीज किया आएगा।

एआपि जारिसुदारा 2009 भीत उसके राय के संशोधनों में अनुसार परियोजना के सिए निर्माण सामग्री के उत्सानन के शिए खुनश्यक अनुमति / स्वीकृति ली जाएगी। होस अपशिष्ट उत्पन्न, विशेष रूप से जास्तिय अपशिष्ट, आदि को सँखिकत सामग्री से अप में नियमान नहीं किया जाएगा। इसका उपचार वैसानिक पद्धित एव पूना बक्रित के साथ किया जाएगा। एकल अपयोग प्लास्टिक के वपयोग का स्तोत्साधित किया जाएगा।

सभी अनुसूची-1 की अजातियों के निष् वन्यजीव संरक्षण योजना सक्षम प्राधिकारी के अनुसादन वे साथ साथ हो जाएगी।

परियोजना वी दिए जमीन के अधिमारण तंतु मुखायका मीज्दा विभानियेशी के साथ भूमि की अंतन्त्र के अनुसार उधिय रूप श मृतिकर्जन, पुनर्वासन और पनर्श्वस्थापन में एपिए प्रतिकर और पास्त्रविता अधिकार अधिनियम 2013 के प्रात्मानों के अनुसार निजी भूमि का अधियमुभ किया जाएगा।

परियोजना को कनीपानिय में सिए इस पर्यावरण स्वीकृति, की वेचना पत्र जारी

करने की हिथि में 10 सार की होती।

परियोजना के शुरु होने के 6 साल बाद, पर्यावरण और साउनस्ट्रीम परिरिधातिकी पर वस्थितिकता के प्रयापों का आध्यवन गंवालय के साथ प्रशमने से तथाकी गई खंदन फोली दबारा किया अएगा।

कार एनवा स्वारमध्या अपूर्ण । ह किसी अन्य स्वारम् दियान हो जोई अन्य नेपूरी / अनुमित् / यनुमोदन, सी की परियोक्तम पर् लागू होता है जिया आएमा। वह स्वारम्य स्वारम्य को दिस को एसजाएन की वेबसाइट अक्टब्स्ट्राफातादान पर

को देखा या समसार्थ ।



एसजेवीएन लिमिटेड SJVN Limited

भारत सरकार एवं विमाचन प्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम (A Joint Venture of Govt. of India & Govt. of H.P.) CIN No. 140101HP1988G01008409

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed that Sunni Dam Hydroelectric Project (382 MW), which is proposed to be constructed on Satfuj River In Shimla and Mandi Districts of Himachai Pradesh, has received Environment Clearance from Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India, with following conditions:

1. Environment Management Plan (EMP) shall be strictly adhered to and budgetary provisions of Rs. 30,546.00 lakhs for implementation of EMP, shall be fully utilized and not diverted to any other purpose. In case of revision of the project cost or due to price level change, the cost of EMP shall also be updated proportionately.

Recommendations of the Cumulative Impact Assessment and Carrying Capacity Study of Satluj River Basin Study shall be

followed while implementing the project.

Necessary permissions shall be obtained for quarrying construction materials, if any required, for the project as per the EIA Notification, 2006 and as amended thereof

Solid waste generated, especially plastic waste, etc. should not be disposed of as landfill material. It should be treated with scientific approach and recycled. Use of single-use plastics may be discouraged.

Conservation plan prepared for Schedule I species shall be implemented with approval of the concerned CWLW.

Land acquired for the project shall be suitably compensated in accordance with the law of the land with the prevailing guidelines. Private land shall be acquired as per provisions of Right to Fair Compensation and Transparency in *Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement Act, 2013

Validity of the Environment Clearance for commissioning of

the project is 10 years. After 5 years of the commissioning of the project, a study shall be undertaken by an independent agency regarding impact of the project on the environment.

Permissions from other organisations/departments/etc., shall be taken wherever applicable on the project. 10. The Environment Clearance letter can be viewed on our

website www.sjvn.nic.in

एसजेवीएन लिमिटेड SJVN Limited

(भारत सरकार एवं हिमाचल प्रवेश सरकार का संयुक्त उपक्रम) (A Joint Venture of Govt. of India & Govt. of H.P.) CIN No. L40101HP1988G01008409

सार्वजनिक सूचना

सार्वजानक सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एसजेवीएन लिमिटेड द्वारा हिमाचल प्रदेश के शिमला एवं मंडी जिलों में सतलूज नदी पर खेरा गाँव के पास चुन्नी बाँध जल विद्युत परियोजना (382 मेगावाट) का निर्माण प्रस्तावित है, जिसको पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मानक सर्तों के अतिरिक्त निम्नालिखित शार्तों के साथ पर्यावरण स्वीकृति प्रदान कर दी है

 पर्यावरण प्रबंधन बोजना (ईएगपी) का राज्यी से पालन किया जाएगा और ईएमपी के कार्यान्वयन के लिए बजटीय प्रावधानों हेतू रुपये 30.546.00 लाख की सांशि का पूरी तरह से उपयोग किया जाएगा और किसी अन्य छोड़्यों के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा। परियोजना लागत में संशोधन या मुख्य स्तर परियर्तन के कारण ईएमपी की लागत में अनुपातित रूप से सुधार किया जाएगा।

2 सतलुज नदी बेसिन के क्यून्युलंटिय इम्पेक्ट असेसमेंट और नहन क्षमता के अध्यमन पर या टीओआर (IoR) शतों के अनुसार या लगातार चार सबसे लीन महीनों के औसत प्रवाह का न्यूनतम 15 प्रतिशत जो भी मान उच्चतर हो, पर्यावरणीय प्रवाह के रूप में रिलीज किया जाएगा।

 ईआईए अविसूचना, 2006 और उसके बाद के संशोधनों के अनुसार परियोजना के लिए निर्माण समग्री के उत्तवनन के लिए आवश्यक अनुमति / स्वीकृति ली जाएगी

4. ठांस अपशिष्ट उत्पन्न विशेष रूप से प्लास्टिक अपशिष्ट, आदि को लैंडफिल सामग्री के रूप में निपटान नहीं किया जाएगा। इसका उपचार वैज्ञानिक पद्धति एवं पुनः चक्रित के साथ किया जाएगा। एकल उपयोग प्लास्टिक के उपयोग को इतोत्साहित किया जाएगा।

5 समी अनुसूची-1 की प्रजातियों के लिए बच्चजीव संस्थान योजना सक्षम

प्राविकारी के अनुमोदन के साथ लागू की जाएगी।

ह. परियोजना के लिए जुनीन के अधिग्रहण हेतु मुजावजा नीजूवा दिशानिर्देशों के साथ मूनि के जानून के अनुसार जीवत रूप से किया जाएगा। मूनिअजन मुनर्वासन और पुनर्धास्थापन न जीवत प्रक्रिकर और पारदर्शिया अधिकार अधिनियम 2015 के प्रावधानों के अनुसार निजी भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा।

परियोजना की कमीशनिंग के लिए इस पर्यावरण स्वीकृति की पैधता पत्र जारी

करने की लिकि से 10 साल की होगी।

 परियोजना के शुरु होने के 5 साल बाद, पर्यावरण और ठाउनस्ट्रीम वरिरियातिको पर परियोजना के प्रनावों का कश्यवन मंत्रालय के साथ परागर्श से तम की गई स्वतंत्र एकेंसी द्वारा किया जाएगा।

 किसी अन्य संगठन / दिभाग से कोई अन्य मंजूरी / अनुमति / अनुमोदन, जो की परियोजना पर लागू होता है, लिया जाएगा।

10. पर्यावरण स्वीकृति की प्रति को एसजेवीएन की वेबसाइट www.sjvn.nic.in पर भी चेखा जा सकता है। म हिभान्तल 15,02.

M